INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VIII	Department: Hindi (2nd Lang)	Date :03.05.26
प्रश्नोत्तर	Topic: पाठ 2 दो गौरैया	Note: Pls. write in your Hindi note book

अति लघु प्रश्न-उत्तर

प्रश्न 1: पिताजी घर की तुलना किससे करते थे?

उत्तर: पिताजी घर की तुलना सराय से करते थे।

प्रश्न 2: गौरैयाँ घर के अंदर कहाँ घोंसला बना रही थीं?

उत्तर: गौरैयाँ घर के अंदर पंखे के गोले (छत वाले पंखे के ऊपर) में घोंसला बना रही थीं।

प्रश्न 3 : घोंसला तोड़ते समय पिताजी को कौन-सी आवाज़ सुनाई दी?

उत्तर: घोंसला तोड़ते समय पिताजी को गौरैया के नन्हें बच्चों की 'चीं-चीं' की आवाज़ सुनाई दी।

प्रश्न 4 लेखक के घर में कितने लोग थे ?

उत्तर:लेखक के घर में तीन लोग थे – लेखक, उसके पिताजी एवं माँ।

प्रश्न 5 .आँगन में किसका पेड़ था ?

उत्तर:आँगन में आम का पेड़ था।

प्रश्न 6 .कौन-कौन से पक्षी लेखक के घर आ जाते थे?

उत्तर:लेखक के घर कभी तोते, कभी कौवे और कभी गौरैयाँ आ जाते थे।

लघु प्रश्नोत्तर

प्रश्न1 "अब मैं हार मानने वाला आदमी नहीं हूँ ।" इस कथन से पिताजी के स्वभाव के कौन-से गुण उभरकर आते हैं?

उत्तर:इस कथन से पता चलता है कि वे सख्त, तुनुकमिजाज और अनुशासनप्रिय थे। वे घर में गंदगी और अव्यवस्था पसंद नहीं करते थे, इसलिए वे गौरैयों को भगाना चाहते थे। हालाँकि अंत में उनका हृदय भी पिघल गया।

प्रश्न 2 लेखक के घर में चिड़िया ने अपना घोंसला कहाँ बनाया? उसने घोंसला वहीं क्यों बनाया होगा?

उत्तर:लेखक के घर में चिड़िया ने अपना घोंसला पंखे के गोले में बनाया । उसने घोंसला वहीं बनाया क्योंकि वह स्थान उसे सबसे अधिक उपयुक्त और सुरक्षित लगा होगा ।

प्रश्न3 पिताजी को घर सराय क्यों लगता था?

उत्तर-आँगन में लगे आम के पेड़ पर तरह-तरह के पक्षियों का आकर बैठना, उस पर घोंसला बनाकर रहना और कलरव करना, चूहों का धमा-चौकड़ी करना, बिल्लियों का आकर दूध पी जाना आदि कारणों से पिताजी को घर सराय जैसा लगता था।

प्रश्न4 पिताजी को माँ की कौन-सी बात सुनकर गुस्सा आ गया?

उत्तर - "अब तो ये नहीं उड़ेंगी। पहले इन्हें उड़ा देते, तो उड़ जातीं। अब तो इन्होंने यहाँ घोंसला बना लिया है" यह बात सुनकर पिताजी को गुस्सा आ गया।

प्रश्न 5 गौरैयाँ घर में क्यों आई थीं?

उत्तर-गौरैयाँ के अंडे देने का समय आ गया था जिसके लिए उन्हें हर तरह से सुरक्षित स्थान चाहिए था, जहाँ वे अपना घोंसला बना सकें और उसमें अंडे दे सकें। अंडे से निकलने पर उसके बच्चे सुरक्षित रह सकें। यही कारण था कि वह घर का निरीक्षण करने आई थीं।

दीर्घ प्रश्नोत्तर

प्रश्न1 गौरैयों के बच्चों को देखकर पिताजी ने क्या किया?

उत्तर- गौरैयों के बच्चे को देखकर पिताजी ने घोंसला उजाड़ने का अपना इरादा बदल दिया। तिनकों से लाठी निकालकर एक ओर रख दी और चुपचाप कुर्सी पर आकर बैठ गए। कमरे में गौरैयों और उनके बच्चों के चीं-चीं के शोर से अब उन्हें परेशानी नहीं थी, बल्कि वे मुस्कुरा रहे थे।

प्रश्न 2 अंत में पिताजी का व्यवहार कैसे बदल गया?

उत्तर -पिताजी जब घोंसला उजाड़ने लगे तो उसमें से गौरैयों के छोटे बच्चे सिर बाहर निकालकर भय से चीं-चीं करने लगे। उन नन्हीं चिड़ियों की आवाज़ सुनकर शायद पिताजी के अंदर ममता और करुणा जाग उठी जिसके कारण उनका व्यवहार बदल गया।

प्रश्न 3 कहानी में चिड़ियों और पिताजी के बीच संघर्ष का वर्णन कीजिए।

उत्तर :कहानी में पिताजी और चिड़ियों के बीच संघर्ष इस बात को लेकर है कि चिड़ियाँ घर के अंदर घोंसला बना लेती है और पिताजी उन्हें निकालना चाहते हैं। पिताजी कई बार लाठी से उन्हें भगाते हैं, दरवाज़े और रोशनदान बंद करते हैं, यहाँ तक कि उनका घोंसला भी तोड़ने की कोशिश करते हैं। चिड़ियाँ बार-बार लौट आती हैं और अंततः उनके बच्चे भी निकल आते हैं। यह संघर्ष अंततः सह-अस्तित्व में बदल जाता है, पिताजी उनका अपनापन देखकर भावुक हो जाते हैं और उन्हें स्वीकार कर लेते हैं।

==========